बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-136**
17/03/2021

बिहार विधानमंडल परिसर में मुख्यमंत्री ने की पत्रकारों से बातचीत

पटना, 17 मार्च 2021 :– बिहार विधानमंडल परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि विधान परिषद के लिए मनोनीत सभी 12 नये सदस्यों को मेरी तरफ से बधाई है। कल ही कैबिनेट ने निर्णय के पश्चात् राज्यपाल को इसकी सूची भेज दी थी। राज्यपाल से अनुमति मिलने के बाद आज उन सभी सदस्यों को विधान परिषद के कार्यकारी सभापति ने शपथ दिलायी है। अब मनोनीत सभी सदस्यों को अपनी भूमिका निभाने का मौका मिलेगा, यह खुशी की बात है। कई सदस्य पहले भी विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। कुछ नये सदस्यों को भी इस बार मौका मिला है। 24 तारीख तक सदन चलने के दौरान उनलोगों को भी अपनी भूमिका निभाने का मौका मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कोरोना को लेकर प्रधानमंत्री जी ने सभी मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की है, जिसमें प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कोरोना की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी गई है। जिन राज्यों में पहले की तुलना में कोरोना तेजी से बढ़ रहा है वहां के मुख्यमंत्रियों ने बैठक में अपनी बातें रखीं। हमलोग सचेत हैं। बिहार में वैसी स्थिति अभी नहीं है। प्रतिदिन इसको लेकर हमलोग सजग हैं। बाहर से जो लोग आते हैं, उन पर नजर रखनी जरुरी है। बाहर से आने वाले कई लोग कोरोना पॉजिटिव निकले हैं। जल्द ही हम इस पर बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना टेस्टिंग की संख्या को फिर से बढ़ाना है। तय किया गया है कि टेस्टिंग को प्रतिदिन 70 हजार करना है। अधिक से अधिक जांच आर0टी0पी0सी0आर0 हो, इसको लेकर सारे इंतजाम किये जा रहे हैं। वैक्सीनेशन का काम अपने यहां पूरे तौर पर किया जा रहा है। सभी लोगों को इसके लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। हर हाल में हमलोगों को कोरोना के प्रति सचेत रहना है। अभी प्रतिदिन कोरोना के 20 से लेकर 48 तक पॉजिटिव मरीज मिल रहे हैं। प्रतिदिन 8 बजे रात तक कोरोना से संबंधित रिपोर्ट हमारे पास आती है और 9 बजे हम संबंधित अधिकारियों के साथ इस पर विचार–विमर्श करते हैं। बिहार के लोग देश के सभी राज्यों में रहते हैं और वे अपने घर भी आते रहते हैं। लोगों की कोरोना जांच करना और इसके साथ ही उन्हें सजग और सचेत करना जरुरी है। राज्य सरकार की तरफ से इसको लेकर जो भी कार्य किये जा रहे हैं, वह लोगों के हित में है। हमलोग एक–एक चीजों को लेकर सतर्क हैं। अभी स्कूल और कॉलेज चलेंगे। होली के अवसर पर बहुत चीजों को सार्वजनिक रुप से नहीं करने के सुझाव और सलाह पहले से ही दे दिये गये हैं। होली के अवसर पर लोग विशेष तौर पर अपने घर जाते हैं इसलिए ज्यादा सतर्क रहने की जरुरत है।

सदन में सदस्यों द्वारा मर्यादा तोड़ने को लेकर पूछे गये सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम प्रधानमंत्री जी के साथ बैठक में व्यस्त रहे। यहां आने के बाद इसके संबंध में हमें जानकारी मिली है। कल हम सब इस पर विचार–विमर्श करेंगे। सबको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सदन की कार्यवाही में किसी भी तरह का व्यवधान न हो। स्पीकर साहब को सदन चलाने में सहयोग करें, चाहे पक्ष हो या विपक्ष। जिनसे भूल हुई है उन्होंने क्षमा भी मांग ली है।

शराबबंदी को लेकर मंत्री पर लगाये गये आरोपों के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री रामसूरत राय जी ने कल ही स्पष्ट रुप से सारी बातें रख दी थीं। उनके परिवार का बंटवारा पहले ही हो चुका है। उन्होंने कभी भी नहीं कहा है कि जो भी इसके लिए जिम्मेवार हैं, उस पर कार्रवाई न हो। अनावश्यक रुप से उन पर जो भी आरोप लगाये गये हैं उसका जवाब उन्होंने दे दिया है। वर्ष 2016 में शराबबंदी का निर्णय लिया गया। सदन में इस पर सर्वसम्मति थी। सभी सदस्यों ने वचन दिया था। उस समय महागठबंधन की सरकार थी। भाजपा एवं अन्य दलों के लोग उस समय विपक्ष में थे लेकिन सभी लोगों ने शराबबंदी का समर्थन किया था। कानून में संशोधन के कुछ प्रस्ताव लाये गये थे, जिस पर सभी लोगों ने अपनी सहमति दी थी। सभी लोगों ने खड़े होकर संकल्प लिया था। हमलोगों ने शराबबंदी के पक्ष में जनवरी 2017 में मानव श्रृंखला भी बनायी थी। पत्रकार भी इसमें शामिल थे। मानव श्रृंखला में सभी दलों के लोगों ने हिस्सा लिया था। सभी को इसका ख्याल रखना चाहिए कि इसे आगे बढ़ाना है। राष्ट्रपिता बापू की बातों को मानते हुए हमलोग इस पर काम कर रहे हैं। महिलाओं की मांग पर ही हमलोगों ने शराबबंदी लागू की थी। हम निरंतर लोगों को कहते रहे हैं कि इसको लेकर सजग रहिए और देखते रहिए। हम कुछ ही दिनों के अंतराल पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक कर एक–एक चीजों की जानकारी लेते रहते हैं। अगर किसी को भी शराब के कारोबार में लिप्त लोगों और शराब का सेवन करने वाले लोगों के बारे मे जानकारी मिलती है तो बिजली के खंभे पर अंकित टेलिफोन नंबर पर जानकारी दे सकते हैं। उनका नाम उजागर नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वैसे तो कोई भी दावा नहीं कर सकता है कि आप समाज में कोई भी काम कीजिएगा तो हर मनुष्य एक मत से इसे स्वीकार करेगा। चाहे धार्मिक चीजों को देख लें या ऐतिहासिक चीजों को, समाज में कुछ ऐसे तत्व होते हैं, कुछ ऐसे लोग होते हैं जो गलत रास्ते पर चलते हैं। अपराध को रोकने के लिए कानून बने हैं लेकिन लोग फिर भी अपराध करते हैं। उसको रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करनी पड़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे कानून व्यवस्था का मामला हो या फिर शराबबंदी का मामला, सभी चीजों को लेकर हम निरंतर समीक्षा करते रहते हैं। कल सदन में भी गृह विभाग की तरफ से जानकारी दी गई है कि अपराध के मामले पहले से काफी घटे हैं। शराबबंदी को लेकर सभी लोगों को सचेत रहना है। डब्लू0एच0ओ0 ने वर्ष 2018 की अपनी प्रकाशित रिपोर्ट में स्पष्ट किया था कि शराब सेवन के कारण किस तरह लोगों की मौत होती है। शराब सेवन से कितनी हानि होती है। उन्होंने कहा कि मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि शराब के धंधे में लिप्त लोगों एवं शराब सेवन करने वाले को बख्शा नहीं जायेगा। शराबबंदी पूरी मुस्तैदी से लागू रहेगी। पहले की तुलना में अब ज्यादा कार्रवाई हो रही है। शराब के धंधे से जुड़े बाहर के लोग भी अब पकड़े जा रहे हैं। सब पर कड़ी कार्रवाई हो रही है। आप सबों से विनम्रतापूर्वक आग्रह है कि अगर शराब को लेकर कोई सूचना मिले तो फोन पर जरुर सूचना दीजिए ताकि ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

******